

वर्ष 2022-23 के बजट में बच्चों की हसिसेदारी

प्रलिस के ललल:

डुषण 2.0, डीडड ई-वदलड, 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' डुरुडुरड, डकीकृत डल वकलस डुडनल, डनडडडडडड- 5 सरवे के नडुकरुष ।

डेनुस के ललल:

डरत डें डडुडुडु की सुथतल और उनसे संबुधतल डुदुडु को संबुधतल करने की डवलशुडकतल, डस दशल डें सरकरलुं दवलरल डुडलए डड कदड ।

डरुडल डें कुडुडु?

डलल डी डें डक डुर-सरकरली संगठन दवलरल कडल डड वशलुडण के डुतलडकल, डीते 11 वरुषुं के डुकलडले डस वरुष देश डें डडुडुडु को डडुडु डें डलवुंडन कल सबसे कड हसलसल डुरलडुत हुडल डै ।

- डेंदुर सरकरल दवलरल डडुडुडु के ललल डडुडु डनलने की शुरुडलत डहली डलर वरुष 2008 डें डल डडुडु ववलरुण के डुरकलशन के सुथ हुडु डी । डसके डलद कडु डलरुडुडु ने डी डस करलडु को शुरु कडल डै ।

डडुडुडु से संबुधतल डडुडु डें कुडल शलडलल डै?

डुरडलडु:

- वरुष 2022-23 के केंदुरीड डडुडु डें डडुडुडु के ललल कुल डलवुंडन 92,736.5 करुडु डुडड डै, डडकल डडुडु डडुडु डें 85,712.56 करुडु डुडड कल डलवुंडन कडल डडल थल ।

- डडुडुडु डलल नरलडुडुडु डुड से 8.19% की वृदुधल डै, कतल डल केंदुरीड डडुडु डें कुल वुडड डें वृदुधल के डनुडलत डें नडी डै ।

- डडुडुडु के ललल डडुडु कल हसलसल डस वतलतुी वरुष (2022-23) के ललल केंदुरीड डडुडु कल केवल 2.35% डै, डल 0.11% की कडुी को दरुशलतल डै, डु कल डडुडुडु डें डडुडुडु के ललल डलवुंडतल सबसे कड धनरलशल डै ।

कुषुतुरवलर वशलुडण:

डल डवलसुथुड के ललल:

- डल डवलसुथुड के ललल डलवुंडन डें 6.08% की कडुी की डरु डै ।

- सडसे डहतुतुवडुरुण डल डवलसुथुड डुडनलडुडु डें से डक, NRHM-RCH डुलेकुसी डुल डें 8.22% की कडुी हुडु डै ।

- डल डुलेकुसी डुल डलरुडुडु की डवलसुथुड डुरणलडुडुडु को डडुडुडु करने के सुथ-सुथ डुरडनन, डलतु, नवडलत, डल डल कशलुर डवलसुथुड (RMNCH+A) की डुरुरतुु को डुरल करतल डै ।

डल वकलस करलडुडुडु के ललल:

- डगले वतलत वरुष के ललल डलवुंडन डें 10.97% की डरलवत देरुडी डरु डै, डु 17,826.03 करुडु डुडड डै । डनडें डुरक डुषण और डलंगनवलडुी (डे केडर) सेवलडुु शलडलल डै ।

- डहललडुडु और डडुडुडु को डकीकृत ललड डुरदलन करने वलली डुषण 2.0 डैसी डुडनलडुडुडु को डस वरुष कुडु डतरलकलत धनरलशल डलवुंडतल नडी हुडु ।

- वरुष 2022-23 डें **डुरधलनडुंतुरी डुषण शकतुत नरलडुडुडु (डीडड डुषण) करलडुडुडु** के ललल 10,234 करुडु डुडड कल डनुडलनतल डडुडु सुवीकृत कडल डडल डै । डडुडु वरुष संशुुधतल डनुडलन 10,234 करुडु डुडड थल ।

- डस डुडनल को डहले 'वदुडलडुडु डें डधुडलहन डुडन रलषुदुरीड करलडुडुडु' के डुड डें डलनल डलतल थल और डसडें 6 से 14 वरुष की डलडु तक के सुकुली डडुडुडु को डरुड डकल हुडल डुडन डुरदलन कडल डलतल थल ।

डल शकलषल के ललल:

- डल शकलषल के ललल डडुडु कल हसलसल डललु वतलत वरुष डें 1.74% से केवल 0.3% डंक की डलडुली वृदुधल के सुथ डगले वतलत वरुष के ललल 1.73% हु डडल डै ।

- डडुडु डें डुषतल 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' करलडुडुडु डडुडुडु के ललल सीखने कल डक कठनल तुरीकल डै ।

- डीडड ई-वदलड के 'वन क्लास, वन टीवी चैनल' करलडुडुडु कल वसलतलर 12 से 200 टीवी चैनलुं तक कडल डलडुडु ।

डडुडुडु के संरकुषण और कलडुडुडु के ललल:

- महिला एवं बाल विकास मंत्रालय को मशिन वात्सल्य के अंतर्गत बच्चों की सुरक्षा एवं कल्याण योजनाओं के लिये 1,472.17 करोड़ रुपए आवंटित किये गए।
 - यह इस वित्त वर्ष की तुलना में 65% अधिक है, लेकिन योजना के पुनर्गठन से पहले 2019-2020 में 15,000 करोड़ रुपए के आवंटन से कम है।

बच्चों के लिये बजट संबंधी मुद्दे:

- **मात्र वार्षिक लेखा अभ्यास:**
 - केंद्र सरकार द्वारा बच्चों के लिये **बजट बनाना केवल एक वार्षिक लेखांकन अभ्यास** तक सीमिति रह गया है, जबकि बाल बजट वविरण (CBS) का प्रकाशन सभी विभागों में प्रासंगिक बजट शीर्षों को मिलाकर किया गया है।
 - यह अकेले बच्चों की विशेष ज़रूरतों के प्रति उत्तरदायी रहने के मूल उद्देश्य को पूरा करने के लिये बहुत कम है।
- **राज्य सरकारों में ज़िम्मेदारी की कमी:**
 - बच्चों के लिये कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं को लागू करने हेतु मुख्य रूप से ज़िम्मेदार होने के कारण राज्य सरकारें इस अभ्यास को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका नभाती हैं।
 - लेकिन उनके द्वारा भी बच्चों के लिये अधिक प्रभावी ढंग से योजना बनाने और हस्तक्षेप हेतु एक उपकरण के बजाय इसे एक लेखांकन ज़िम्मेदारी के रूप में माना जाता है।
- **मानकीकरण का अभाव:**
 - इसके अलावा सरकारी संस्थाओं के बीच संबंधित बाल बजट वविरण (CBS) की रपिर्टिंग हेतु मानदंडों के मानकीकरण की कमी है।

भारत में बच्चों की स्थिति:

- हाल ही में **NFHS-5 के सर्वेक्षण** में बाल स्वास्थ्य और पोषण पर मशिरति तस्वीर सामने आई है।
 - एक तरफ इसके बाल मृत्यु दर में कमी, **पोषण संकेतकों के स्तर में सुधार जैसे स्टंटिंग और वेसटिंग** आदि निश्चित सकारात्मक पहलू हैं।
 - दूसरी ओर इस दौर में बच्चों में **एनीमिया** की घटनाएँ **NFHS 4 में 58.6% से बढ़कर 67.1%** के खतरनाक स्तर पर पहुँच गई हैं, प्रमुख विशेषज्ञों का कहना है कि **SDG लक्ष्य 2030** को पूरा करने के लिये और अधिक प्रयासों की आवश्यकता है।
- **ASER सर्वेक्षण नषिकर्ष:**
 - लगातार **ASER सर्वेक्षणों** ने बताया है कि वर्ष 2020 और 2021 के बीच स्कूल में नामांकित बच्चों के अनुपात में कोई सुधार नहीं हुआ है और इस संबंध में **राज्यों के बीच बहुत अधिक परिवर्तनशीलता** है।
- **कोवडि-19 का प्रभाव:**
 - कोवडि-19 ने बच्चों को विधि तरीकों से प्रभावित किया है चाहे वे शारीरिक, भावनात्मक, संज्ञानात्मक या सामाजिक प्रभाव हों, इसमें शामिल हैं- संक्रमण या प्रवास, पारिवारिक संकट, दोस्तों से अलगाव, सीखने की प्रक्रिया में बाधा, पर्यावरण, स्वयं या परिवार के सदस्यों का अस्पताल में भर्ती होना, कार्य में वयस्कों की भूमिका या फरि विवाह।
 - कोवडि-19 ने भारत में बच्चों की शिक्षा, पोषण और विकास तथा बाल संरक्षण तक उनकी पहुँच को गंभीर रूप से प्रभावित कर दिया था।

आगे की राह

- क्षमता निर्माण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों से संबंधित हस्तक्षेपों पर कार्य करने वाले सरकारी अधिकारियों का अनुमुखीकरण न केवल CBS में रपिर्टिंग के लिये बल्कि उन्हें योजनाओं को पुनः बेहतर ढंग से डिज़ाइन करने तथा नियमि आधार पर उनकी प्रगति की नगिरानी करने में सक्षम बनाने हेतु भी महत्त्वपूर्ण है।
- परविद्यों को बेहतर परिणामों में परिवर्तित करने हेतु बच्चों के लिये बजट का एक परिणाम अभविन्यास आवश्यक है।
- CBS में रपिर्टिंग संरचना को मानकीकृत करने की तत्काल आवश्यकता है तथा केंद्र सरकार CBS को जवाबदेही का एक प्रभावी साधन बनाने के लिये राज्यों और विशेषज्ञों के परामर्श से इसके लिये एक वसितुत ढाँचा विकसित कर सकती है।
- संबंधित मंत्रालयों द्वारा बाल संबंधित योजनाओं की नियमि नगिरानी और लेखापरीक्षा की जानी चाहिये।

स्रोत: द हट्टू